नामांक Roll No.

Sl.No. :

No. of Questions – 22

No. of Printed Pages – 7

VU–55–Samanya Dar.

# वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा, 2024

# VARISHTHA UPADHYAYA EXAMINATION, 2024

## सामान्य दर्शनम्

**समय** : 3 **घण्टे** 15 **मिनट**

**पूर्णांक** : 80

**परीक्षार्थिभ्यः सामान्यनिर्देशाः**

1) परीक्षार्थिभिः सर्वप्रथमं स्वप्रश्नपत्रोपरि नामाङ्कः अनिवार्यतः लेख्यः।

2) **सर्वे** प्रश्नाः अनिवार्याः।

3) सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराण्युत्तरपुस्तिकायामेव लेखनीयानि।

4) एकस्य प्रश्नस्य सर्वे भागाः एकत्र एव लेखनीया।

5) सर्वे प्रश्नाः संस्कृतमाध्यमेन उत्तरणीयाः।

यहाँ से काटिए

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

यहाँ से काटिए

## खण्ड–अ

1) वस्तुनिष्ठ प्रश्ना: –

i) शिवस्य स्मरणेन कतिविधानि दुखानि विनश्यन्ति। [1]

अ) त्रिविधानि ब) द्विविधानि

स) चतुर्विधानि द) पञ्चविधानि

ii) चित्तभूमय: कति सन्ति – [1]

अ) पञ्च ब) चतस्र:

स) षट् द) तिस्र:

iii) क: योगसूत्रकार:? [1]

अ) गौतम: ब) जैमिनि:

स) पतंजलि द) कपिल:

iv) क्लिष्टाक्लिष्टा वृत्तय: कति सन्ति? [1]

अ) षट् ब) पञ्च

स) तिस्र: द) चतस्र:

v) चित्तस्य परिणाम: कतिविध:? [1]

अ) एकविध: ब) द्विविध:

स) चतुर्विध: द) त्रिविध:

vi) "विदेहप्रकृतिलयानाम्" साधकानां समाधि: कथ्यते – [1]

अ) गुणप्रत्यय: ब) भवप्रत्यय:

स) उर्ध्वप्रत्यय: द) अधोप्रत्यय:

vii) ईश्वरस्य प्रणिधानात् क: लाभ: उक्तम् – [1]

अ) उपाधि: ब) सन्धि

स) समाधि: द) विधि:

viii) ''निरतिशयं सर्वज्ञ्यबीजम्'' कस्मिन् वर्तते – [1]

अ) ईश्वरे ब) मानवे

स) मन्दिरे द) लोके

ix) तप: स्वाध्यायेश्वरप्रणिधानानि कथ्यते – [1]

अ) ज्ञानयोग: ब) ध्यानयोग:

स) साधनायोग: द) क्रियायोग:

x) ''क्लेशा:'' कतिविधा: भवन्ति? [1]

अ) पञ्च ब) त्रय:

स) चत्वार: द) षट्

xi) साधनानि कति? [1]

अ) चत्वारि ब) पञ्च

स) षट् द) त्रीणि

xii) कर्मेन्द्रियं कथ्यते – [1]

अ) घ्राणं ब) जिह्वा

स) श्रवणं द) पाणि:

xiii) सदानन्द: क:? [1]

अ) आत्मा ब) मन:

स) शरीरम् द) बुद्धि:

xiv) आदिशंकराचार्येण प्रणीत: ग्रन्थोऽस्ति – [1]

अ) विवेकचूडामणि: ब) योगदर्शनम्

स) रामायणम् द) महाभारतम्

xv) तपोमयी क:? [1]

अ) राहु: ब) शनि:

स) केतु: द) यम:

**2)** रिक्तस्थानानि पूरयत –

i) सुखानुशयी ..................। **[1]**

ii) ................ संयोगो हेयहेतुः। **[1]**

iii) तदभावे संयोगाभावो हानं तद्दृशेः ..................। **[1]**

iv) .................. यमाः। **[1]**

v) ब्रह्मचर्यप्रतिष्ठायां .................। **[1]**

vi) .................. सुखलाभः। **[1]**

vii) धारणासु च .................... मनसः। **[1]**

**3)** अतिलघूत्तरात्मकाः प्रश्नाः –

i) बुद्धिन्द्रियाणि कानि? **[1]**

ii) मोक्षस्य प्रथमहेतुः निगद्यते। **[1]**

iii) स्थूलशरीरहेतवः कति? **[1]**

iv) शरीरपोषणार्थी कं दि्दृक्षति? **[1]**

v) विष्णुः परमं पदं के यान्ति? **[1]**

vi) चित्तवृत्ति निरोधः कः? **[1]**

vii) कीदृशी चित्तवृतिः मनसः एकाग्रतायां सहायकः भवति। **[1]**

viii) अभिमतध्यानात् किं भवति? **[1]**

ix) क्लेशतनुकरणार्थं का भावना भवति? **[1]**

x) रागस्य लक्षणं किम्? **[1]**

**खण्ड–ब**

लघूत्तरात्मकाः प्रश्नाः –

4) तितिक्षायाः लक्षणं किम्? [2]

5) गुरूलक्षणं किम्? [2]

6) सूक्ष्मशरीरं किम्? [2]

7) मनसः विकाराः के? [2]

8) के तमोगुणाः? [2]

9) आत्मनः विशेषणानि कानि? [2]

10) श्रद्धालक्षणं लिखत। [2]

11) कः योगः? [2]

12) असम्प्रज्ञातसमाधिः कः? [2]

13) कः ईश्वरः? [2]

14) उपासनायाः फलं किम्? [2]

15) क्रियायोगः कः? [2]

## <u>खण्ड–स</u>

दीर्घोत्तरीय प्रश्नाः

16) कस्यचिदेकस्य विवेचनं कुरूत – [3]

क) वृत्तयः।

ख) उपासना–स्वरूपम्।

17) कस्यचिदेकस्य विवेचनं कुरूत – [3]

क) समापत्तिः।

ख) अविद्या।

18) कस्यचिदेकस्य विवेचनं कुरूत – [3]

क) प्रज्ञा–स्वरूपम्।

ख) योगाङ्ग–स्वरूपम्।

19) कस्यचिदेकस्य विवेचनं कुरूत – [3]

क) आत्मजिज्ञासा–निरूपणम्।

ख) अधिकारिणः लक्षणान्तरम्।

## खण्ड – द

निबन्धात्मका: प्रश्ना:

20) यमस्य स्वरूपं विवेचयत। [4]

अथवा

नियमस्य स्वरूपं विवेचयत।

21) कस्यचिदेकस्य श्लोकस्य स्वपाठ्यग्रन्थानुसारं व्याख्या कार्या – [4]

स्वयं ब्रह्मा स्वयं विष्णु: स्वयमिंद्र: स्वयं शिव:।
स्वयं विश्वमिदं सर्वं स्वस्मादन्यन्न किंचन।।

अथवा

शान्ता महन्तो निवसन्ति सन्तो।
वसन्तवल्लोकहितं चरन्त:।।
तीर्णा स्वयं भीमभवार्णवं जना।
न हेतुनान्यानपि तारयन्त:।।

22) कस्यचिदेकस्य श्लोकस्य स्वपाठ्यग्रन्थानुसारं व्याख्या कार्या – [4]

उद्धरेदात्मनात्मानं मग्नं संसार वारिधौ।
योगारूदत्वमासाद्य सम्यग्दर्शननिष्ठया।।

अथवा

न जायते नो म्रियते न वर्धते।
न क्षीयते नो विकरोति नित्य:।
विलीयमानोऽपि वपुष्यमुष्मि:।
न्न लीयते कुम्भ इवाम्बर: स्वयम्।।

DO NOT WRITE ANYTHING HERE